Raj Express (Indore), 16th July 2024, Page-04

▶ नदी क्षेत्र के थ्री-डी मॉडल के रूप में बनाया गया है एक प्रोटोटाइप...

नर्मदा नदी के एक हजार किलोमीटर के क्षेत्र की करेंगे मैपिंग, चुनौतियों को दिखाएंगे

नदी क्षेत्र प्रबंधन अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया गया

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में जल शक्ति मंत्रालय की नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया गया। केंद्र का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान व विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के चेयरमेन डॉ. समीर वी. कामत ने किया। इस मौके पर आईआईटी इंदौर के शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी, आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर विनोद तारे भी उपस्थित थे।

यह केंद्र एक ऐसी परियोजना पर काम करेगा, जिसमें मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी के लगभग 1 हजार किलोमीटर के पूरे क्षेत्र की मैपिंग की जाएगी। इसके लिए नर्मदा नदी क्षेत्र के थ्री-डी मॉडल के रुप में एक प्रोटोटाइप भी बनाया गया है, ताकि नदी क्षेत्र की मैपिंग और इसके पर्यावरण के संरक्षण में विभिन्न जटिलताओं व चुनौतियों को दर्शाया जा सके। साथ ही नर्मदा नदी क्षेत्र पर किए गए विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों को भी प्रदर्शित किया गया।

विशेषज्ञ, पेशेवर और शिक्षाविद आएंगे एक साथ

आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर विनोद तारे, जिन्होंने नमामि गंगे परियोजना की शुरुआत की, ने एकीकृत नदी क्षेत्र प्रबंधन के महत्व और नर्मदा नदी की स्वच्छता को संरक्षित करने के लिए स्थाई पद्धतियों की आवश्यकता पर बात की। उन्होंने नीतियां बनाने के लिए वैज्ञानिक साक्ष्य की आवश्यकता पर भी जोर दिया। प्रोफेसर जोशी ने कहा, हम नर्मदा नदी क्षेत्र से संबंधित ज्वलंत समस्याओं के समाधान के लिए सहयोगात्मक परिवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञों, पेशेवरों और शिक्षाविदों को एक साथ लाएंगे। हमें इस महत्वपूर्ण जल संसाधन को संरक्षित करने के लिए एकीकृत प्रबंधन दृष्टिकोण और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता है।

समाज को सीधे तौर पर मिलेगी मदद: डॉ. कामत ने नर्मदा नदी क्षेत्र के अध्ययन और मध्यप्रदेश राज्य में जल प्रबंधन पर एक पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने के लिए प्रोफेसर मनीष गोयल के नेतृत्व में आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों प्रोफेसर प्रीति शर्मा, प्रोफेसर किरण बाला और प्रोफेसर मयूर जैन की टीम के प्रयासों की सराहना की। डॉ. सिवन ने समाज की बेहतरी के लिए इस परियोजना पर काम करने के महत्व पर कहा कि इस तरह की परियोजनाएं पर्यावरण पुनरुद्धार के साथ-साथ नदी संबंधी वाणिज्यिक गतिविधियों के संदर्भ में समाज को सीधे तौर पर मदद करेंगी।

नर्मदा नदी क्षेत्र में वन भूमि का महत्व

संस्थान में नर्मदा नदी क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण समस्याओं को सामने लाने व विशेषज्ञ व्याख्यानों और सहयोगात्मक चर्चाओं के माध्यम से संभावित समाधानों पर चर्चा करने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला में अलीराजपुर जिले के विशेष संदर्भ के साथ नर्मदा नदी क्षेत्र में सामुदायिक पारिस्थितिकी तंत्र का पुनः स्थापन, नर्मदा का जीर्णोद्धार करने के लिए सामाजिक नेतृत्व में अभियान, नर्मदा नदी क्षेत्र में वन भूमि का महत्व, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भू-जल पुनरुद्धार गतिविधियां और नर्मदा नदी क्षेत्र में पर्यावरण संबंधी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सहयोग करने के लिए मंच

आईआईटी इंदौर में परियोजना का नेतृत्व कर रहे संकाय सदस्य प्रोफेसर मनीष गोयल ने कहा, सार्वजनिक चर्चा ने सभी प्रतिभागियों को अपने विचार साझा करने और नर्मदा नदी क्षेत्र के स्थायी प्रबंधन के लिए आगे का मार्ग प्रशस्त करने में सहयोग करने के लिए एक मंच प्रदान किया।